हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 31 मई 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आईटीआई में सुरक्षा जवान एवं ड्रोन पायलट भर्ती कैंप का आयोजन

मण्डला। जीडीएस ग्रुप ग्रेटर नोएडा द्वारा भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत जिले के विभिन्न शासकीय आईटीआई में सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। भर्ती शिविर का आयोजन 2 जून को शासकीय आईटीआई मवई, 3 जून को आईटीआई घुघरी, 4 जून को आईटीआई मोहगाँव, 5 एवं 6 जून को आईटीआई नैनपुर, 8 जून को आईटीआई निवास, 9 जून को आईटीआई बीजाडांडी, 10 जून को आईटीआई नारायणगंज तथा 11 जून को शासकीय आईटीआई मंडला में किया जाएगा। शिविर सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित होंगे। भर्ती प्रक्रिया में सुरक्षा जवान के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं पास निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी की आयु 18 से 40 वर्ष, ऊँचाई 168 सेंटीमीटर तथा वजन 52 से 96 किलोग्राम होना आवश्यक है। वहीं सुरक्षा सुपरवाइजर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर पदों के लिए स्नातक योग्यता निर्धारित की गई है। इन पदों के लिए आयु सीमा 22 से 40 वर्ष तथा ऊंचाई 170 सेंटीमीटर रखी गई है। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने शैक्षणिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति तथा दो पासपोर्ट साइज फोटो के साथ संबंधित आईटीआई में उपस्थित होकर ऑफलाइन आवेदन करना होगा। अन्य जिलों के युवा भी आवेदन कर सकेंगे। भर्ती अधिकारी के अनुसार चयनित युवाओं को जीडीएस ग्रुप के ट्रेनिंग सेंटर में 15 दिनों का आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा।

माझी समुदाय के पीडितो ने मानव अधिकार आयोग के सामने रखी अपनी समस्याए

प्रतिवर्ष 12000 रूपये मछुआ सम्मान निधि मिले

*** किसान सम्मान निधि की तरह हमें भी दिया जाये सहयोग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला/नारायणगंज

नारायणगंज हाईवे पुल के पास बडी माई मन्दिर नारायणगंज में माझी पाठा, टटीघाट, घमिरया, सिंगोधा, पिपरिया, पदवी, मल्हारा, ठीकिरया, किकरिया, कुम्हा, नरायणगंज, चिरी, बखारी, देवरी, अहमदपुर, ग्वारी, बुधेरा, घाघा, सुरंगदवरी, मानादेही किला वार्ड मंडला, आदि मंडला जिले के ग्रामीण क्षेत्र के लोग म.प्र. माझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति नारायणगंज मध्यप्रदेश के तत्वाधान में आज माझी समुदाय की ओर से समिति के प्रांतीय मिडिया प्रभारी श्री ब्रजेश कुमार बर्मन ने आदरणीय प्रियंक कानूनगो सदस्य राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग भारत सरकार, केम्प नारायणगंज में ज्ञापन सौंपते समय नर्मदा नदी बरगी जलाशय के किनारे निवास करने वाले माझी समुदाय के सदस्यों ने समस्याओं को अवगत करते हुए बताया।

बरगी जलाशय में मत्स्य बीज म.प्र. मत्स्य महासंघ एवं मछली विभाग के अधिकारी अपनी मनमर्जी से, तानाशाही पूर्ण, रबाईया अपनाते हुए, जिस औसत में मछली बीज नदी में मछुआ समाज के प्रतिनिधि की उपस्थिति मे बरगी जलाशय में बीज डालना चाहिए लेकिन ये अधिकारी औसत से भी कम संख्या में मछुआ समाज के प्रतिनिधि की बिना जानकारी के चुपचाप बरगी जलाशय में बीज डालने का कार्य वर्षों से कर रहे है जिसके कारण मछली का उत्पादन बहुत कम हो रहा है बरगी जलाशय में मछली कम होने के कारण मत्स्य आखेट नही हो पा रहा है कम संख्या में मत्स्य आखेट होने के कारण मछुआरों को रोजगार की तलाश में मंडला जिले से पलायन करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा हैं।

मछुआरों को जाल प्रदाय हेतु 80 20 महासंघ को हस्तांतिरत 1000 हेक्टेर के मत्स्य आखेट करने वाली समितियो को प्रतिशत म.प्र. मत्स्य ऊपर के जलाशय में नाव जाल प्रदाय हेतु 80-20 अनुदान योजना लागू है जिसके अंतर्गत मछुआरों को 20 प्रतिशत राशि लगाकर नाव जाल क्रय करने पर 80 प्रतिशत अनुदान राशि मत्स्य महासंघ द्वारा दी जाती है जाल क्रय हेतु एक वर्ष में एक मछुआरे को मत्स्य आखेट दिवस के आधार 10 से 15 किलो तक जाल पर रूपये 8000 से रूपये 12000 की अंतरण राशि दी जाती है इसी प्रकार नाव के लिये 5 वर्ष मे दो मछुआरों के बीच एक नाव मछुआरों को दी जाती हैं नाव मूल्य रूपये 8000 से रूपये 12000 तक के 80 प्रतिशत अनुदान दिया जाता हैं किन्तु मत्स्य महासंघ के जलाशय में मत्स्याखेट करने वाले समिति के सभी सदस्यों को यह सुविधा नही दी जा रही है जबकि मत्स्य महासंघ द्वारा जलाशय में काम करने वाले सारे सदस्यों के नाम से अनुदान दिया जाना बताया जाता है।

शासन द्वारा बंद ऋतू सीजन 16 जून से 15 अगस्त तक मत्स्य प्रजनन काल होने के कारण मत्स्यआखेट कार्य बंद रखा जाता है इन दो माह में शासन द्वारा मछुआरों को रोजगार की पूर्ति हेतु बचत सह राहत योजना संचालित है जिसमें रू 1500 हितग्रही द्वारा बचत एवं राज्य शासन द्वारा 3000 रू इस प्रकार बंद ऋतू प्रतिपूर्ति में शासन द्वारा रू 4500 का भुगतान प्रत्येक हितग्रही को रू 4500 का भुगतान का प्रावधान है किन्तु 2 वितीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 का कुछ हितग्रहियो को आज दिनांक तक भुगतान नही किया गया है इस को बढ़ा करे रू 7500 राज्य शासन एवं रू 7500 केन्द्र शासन कुल रु 15000 दिये जाने चाहिये।

म.प्र. मत्स्य महासंघ के जलाशयों द्वारा आखेटित मछली पर प्रजाति अनुसार रू 4 एवं रू 22 प्रतिकिलो की दर से परिश्रमिक भुगतान किया जा रहा है माझी समुदाय मांग करता है कि वर्तमान महगाई का देखते हुए तथा बाजार में बेची जा रही मछली के मूल्य के अनुपात में यह राशि बहुत ही कम है इसे बढ़ाया जाकर रू 150 एंव रू 100 किया जावें 5. मछुआरों की आर्थिक दुंदशा को देखते हुए एवं भूमिहीन बिस्थापित समिति मछुआरा सदस्यों को प्रधानमन्त्री किसान समान निधि योजना के अंतगर्त मछुआरों को प्रति वर्ष कम से कम रूपये 12000 मछुआ समान निधि के रूप में दिया जावें जिससे मछुआरों की आर्थिक में सुधार हो सकें आज के इस कार्यक्रम में इस अवसर आदरणीय प्रियंक कानूनगो साहब सदस्य, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, भारत सरकार ने माझी समुदाय के जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा में माझी समुदाय ने आज मागें रखी है मैं इस पर विचार करवाकर कार्यवाही करते हुए आप लोगो को सूचित करूगा इस अवसर पर सर्वश्री ब्रजेश कुमार बर्मन मिडिया प्रभारी, सुख चेन माझी संरक्षक, अनिल माझी संगठन मंत्री, मोहन बर्मन, प्रेमलाल बर्मन सुभाष बर्मन सीताराम बर्मन, रामकुमार बर्मन रघुवीर बर्मन, नारायण बर्मन, जगनंदन बर्मन, संतोष बर्मन, प्ररमूलाल बरमैया, दीनानाथ नंदा, राजू बर्मन, रमेश नंदा, मुन्नालाल बर्मन, गौतम प्रसाद बर्मन, उमेश बर्मन, रामचरण बर्मन, क्षिदामी माझी, शम्भूलाल बर्मन आदि उपस्थित थे अंत श्री प्रमेलाल बर्मन ने आदरणीय प्रियंक कानूनगो साहब सदस्य, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग एवं उपस्जथित जन समुदाय का अभार व्यक्त किया।

समर चालिया एवं चालीस दिन का अखण्ड पाठ का हुआ समापन

*** आरती,पूजा,भजन,गुरुवाणी, अरदास,पल्लव पूजा,आध्यात्म की हुई प्रस्तुति।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

श्री अमृतवेला संगत समिति के द्वारा अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में शुक्रवार को समर चालिया महोत्सव का समापन किया गया।इस अवसर पर चालीस दिन के अखण्ड पाठ का भोग का कार्यक्रम हुआ। अखण्ड पाठ का मुख्य उद्देश्य सभी परिवारों की सुख, शांति एवं खुशहाली के लिए कामना करना है एवं बच्चों को भी आध्यात्म की राह में जोड़ना है।आयोजन के अवसर पर शामिल संगत के द्वारा श्री ग्रंथ साहिब जी की आरती पूजा,अरदास,पल्लव पूजा की गई,परिवारों की सुख शांति के लिए कामना की गई। श्री अमृतवेला संगत समिति के द्वारा बताया गया कि साल में दो बार चालिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। एक ग्रीष्मकाल में समर चालिया एवं दूसरा शीतकाल में चालिया महोत्सव का आयोजन किया जाता है। चालिया महोत्सव को सभी आस्था प्रेमियों के द्वारा श्रद्धा भक्ति भाव से मनाया जाता है। समर चालिया का मुख्य उद्देश्य बच्चों को धार्मिक आस्था,आध्यात्म की राह में जोड़ना है। चालीस दिन तक चलने वाले इस आयोजन में बच्चों के स्कूल के अवकाश होने के कारण उचित समय है,बच्चे मोबाइल से दूर रहकर आध्यात्म की राह से जुड़ सके। कार्यक्रम के अंत में लंगर का आयोजन किया गया, इसमें गुरु प्रसादी के रूप में आस्था प्रेमियों ने भोजन ग्रहण किया। आयोजन में बड़ी संख्या में संगत पुरुष,महिलाएं एवं बच्चे उपस्थित रहे।

मंडला बंजारी घाट पर ट्रक पलटा, महिला की मौत, पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त, चालक फरार होकर पकड़ा गया

मण्डला। मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-30 के बंजारी घाट पर शुक्रवार को सरिए से भरा ट्रक पलट गया। ट्रक ने पुलिस वाहन सहित कई गाड़ियों को टक्कर मार दी। हादसे में एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पहले सरिया से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इससे ट्रक में भरी सरिया सड़क पर बिखर गई। इससे हाईवे पर जाम लग गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए ट्रक का पीछा किया और अंजनिया के पास से उसे पकड़ लिया। इस हादसे में बिछिया पुलिस का वाहन भी क्षतिग्रस्त हुआ है। पुलिस ने क्रेन और अन्य संसाधनों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे से हटाकर यातायात बहाल कराया। मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। पुलिस अब ट्रक चालक से पूछताछ कर मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

मंडला में मानवाधिकार जागरूकता पर विशेष युवा संवाद आयोजित

*** राष्ट्रीय सदस्य प्रियंक कानूनगो ने किया मार्गदर्शन।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

नगर के ऐतिहासिक महिष्मति घाट पर मानवाधिकार जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को एक विशेष 'युवा संवाद' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC), भारत सरकार के राष्ट्रीय सदस्य प्रियंक कानूनगो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके गरिमामयी सानिध्य में मंडला नगर के बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय सहभागिता की।

युवा संवाद के दौरान मंडला जिले के विकास को लेकर स्थानीय युवाओं ने मुख्य अतिथि प्रियंक कानूनगो से विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सीधा संवाद किया। युवाओं ने क्षेत्र की समस्याओं, विकास की संभावनाओं और मानवाधिकारों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। मुख्य अतिथि ने युवाओं के प्रश्नों के उत्तर देते हुए देश और समाज के निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया और उनका उचित मार्गदर्शन किया। बौद्धिक विमर्श और प्रेरणादायक संवाद के उपरांत कार्यक्रम का समापन धार्मिक और सांस्कृतिक रंग में हुआ। मुख्य अतिथि प्रियंक कानूनगो सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी युवाओं और प्रबुद्ध जनों ने महिष्मति घाट पर मां नर्मदा की भव्य आरती में भाग लिया और जिले की सुख-समृद्धि की कामना की।

ट्रक-ट्रॉला की टक्कर, सड़क पर बिखरी दवाएं, मंडला-जबलपुर NH-30 पर हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। थाना बीजाडांडी क्षेत्र के ग्राम उदयपुर में जियो पेट्रोल पंप के पास दवाइयों से भरे ट्रक और एक ट्रॉला की टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में सड़क पर दवाएं बिखर गईं और ट्रॉला अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे उतर गया। जानकारी के अनुसार, जबलपुर से दवाइयां और मेडिकल उपकरण लेकर आ रहा ट्रक मंडला की ओर से आ रहे एक खाली ट्रॉला से टकरा गया। बताया जा रहा है कि दोनों वाहन एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गए, जिससे यह दुर्घटना हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दवाइयों और मेडिकल उपकरणों से भरे ट्रक का सारा सामान सड़क पर बिखर गया। वहीं, ट्रॉला सड़क छोड़कर पुलिया से नीचे उतर गया और लगभग 5 से 6 पेड़ों को तोड़ते हुए जंगल में जा घुसा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अनिता कुडापे पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचीं। स्थानीय लोगों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया गया और यातायात व्यवस्था को बहाल किया गया, जिससे आवागमन सुचारू रूप से शुरू हो सका। हादसे में ट्रॉला चालक को चोटें आने की जानकारी मिली है। हालांकि, वह उसी कंपनी के पीछे आ रहे एक अन्य ट्रक से तुरंत जबलपुर की ओर रवाना हो गया। इस कारण उसकी चोटों की गंभीरता और अन्य विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई है। फिलहाल, बीजाडांडी पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

समागम | **जनजाति समागम में पहुंचे देशभक्त से कार्यकर्तागण।**

संवैधानिक अधिकारों की रक्षा का राष्ट्रीय आव्हान

*** आस्था और अस्मिता का विराट राष्ट्रीय प्रतीक।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के अवसर पर दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला मैदान में आयोजित जनजाति समागम में जनजातीय संस्कृति परंपरा आस्था और अस्मिता का विराट राष्ट्रीय प्रतीक दिखाई दिया। देशभर के 500 से अधिक जनजातीय समुदायों से आए लाखों जनजातीय बंधु-भगिनी पारंपरिक वेशभूषा लोकगीत लोकनृत्य वाद्ययंत्रों और सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ इस समागम में सम्मिलित हुए। राजधानी दिल्ली की सडक़ों पर जनजातीय संस्कृति का अद्भुत दृश्य उस समय देखने को मिला जब राजघाट चौक रामलीला मैदान अजमेरी गेट चौक कुदसिया बाग और श्यामगिरि मंदिर सहित विभिन्न स्थानों से विशाल शोभायात्रा प्रारंभ होकर लाल किला मैदान पहुंचीं। लेह-लद्दाख से लेकर कन्याकुमारी तक के जनजातीय समाज ने अपनी वेशभूषा लोकधुन मांदर-ढोल पारंपरिक नृत्य और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के माध्यम से भारत की जनजातीय विरासत की जीवंत झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने जनजातीय समाज की आस्था संस्कृति प्रकृति-पूजा जल-जंगल-जमीन और जीवन-पद्धति को भारत की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा हुआ बताते हुए कहा कि यह समागम आने वाले वर्षों में जनजातीय समाज के महाकुंभ के रूप में स्मरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज ने बिना लिखित नियमों के अनेकता में एकता और एकता में अनेकता के मंत्र को जीवन में साकार किया है। समागम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि जनजातीय समाज केवल प्रकृति का रक्षक नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना का प्राचीन और जीवंत स्वरूप है। सदियों से जनजातीय समाज जल जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का मार्ग दिखाता रहा है। आज जब विश्व पर्यावरण संकट से जूझ रहा है तब जनजातीय जीवन-दर्शन टिकाऊ विकास का प्रेरक मॉडल प्रस्तुत करता है। जनजाति सुरक्षा मंच के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह समागम केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि 75 वर्षों से लंबित उस न्यायपूर्ण मांग की राष्ट्रीय पुनर्पुष्टि है जिसकी प्रतीक्षा आज भी देश का समस्त जनजातीय समाज कर रहा है। कहा कि न्यायालयों ने भी यह माना है कि यदि धर्मांतरण के बाद कोई व्यक्ति अपने समुदाय की परंपराओं सामाजिक आचरण और सांस्कृतिक जीवन-पद्धति से पूर्णतः विच्छिन्न हो जाता है तो उसकी जनजातीय पहचान के प्रश्न का परीक्षण सक्षम प्राधिकारियों द्वारा किया जाना चाहिए। परंतु व्यवहारिक स्तर पर प्रत्येक मामले को अलग-अलग सक्षम प्राधिकारी या न्यायालय के समक्ष ले जाना सामान्य जनजातीय व्यक्ति के लिए अत्यंत कठिन और अव्यावहारिक है। इसलिए इस विषय पर स्पष्ट सरल और प्रभावी वैधानिक व्यवस्था की आवश्यकता है। जनजाति सुरक्षा मंच ने स्मरण कराया कि अप्रैल-मई 2009-10 के दौरान 26 राज्यों के 293 जिलों और 26,253 गांवों में व्यापक अभियान चलाकर वयस्क जनजातीय सदस्यों से 27.67 लाख हस्ताक्षर एकत्र किए गए थे। इन हस्ताक्षरों को संबंधित जिलाधिकारी और राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित किया गया था। इसके पश्चात 18 जनवरी 2010 को वरिष्ठ जनजातीय नेताओं ने तत्कालीन राष्ट्रपति से भेंट कर इस विषय पर शीघ्र निर्णय का आग्रह किया था। मंच ने कहा कि वर्ष 2011 से अब तक ग्राम संपर्क अभियान रैलियां जिला सम्मेलन 21 राज्यों में विभिन्न कार्यक्रम प्रधानमंत्री को 5.70 लाख पोस्टकार्ड तथा लगभग 450 सांसदों से प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से यह अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। जनजाति सुरक्षा मंच के एक प्रतिनिधिमंडल ने 28 मई 2026 को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री को जनजातीय कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण विधिक एवं संवैधानिक प्रश्नों से अवगत कराया चर्चा तीन प्रमुख मांगों पर केंद्रित रही जिन्हें मंच पिछले दो दशकों से उठाता आया है। प्रथम लोकुर समिति के मानदंडों के अनुरूप अनुसूचित जनजाति की स्पष्ट वैधानिक परिभाषा निर्धारित की जाए जो वर्तमान सामाजिक वास्तविकताओं के अनुकूल हो। द्वितीय संविधान अनुसूचित जाति आदेश 1950 की भांति संविधान अनुसूचित जनजाति आदेश 1950 में भी आवश्यक संशोधन या स्पष्टीकरण किया जाए जिससे यह स्पष्ट हो सके कि जो व्यक्ति धर्मांतरण के पश्चात अपनी पारंपरिक जनजातीय आस्था संस्कृति रीति-रिवाजों और जीवन-पद्धति का परित्याग कर देता है उसे अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं माना जाएगा।

वाणिज्यिक कर विभाग ने मांगी अनुपयोगी सामग्री की नीलामी संबंधी जानकारी

मण्डला। कार्यालय वाणिज्यिक कर अधिकारी, मंडला वृत्त मंडला श्रीमती सरिता भगत द्वारा बताया गया है कि आयुक्त वाणिज्यिक कर तथा मध्यप्रदेश इंदौर के आदेश के अनुसार विभागीय कार्यालयों में अनुपयोगी भंडार सामग्री के नवीनीकरण एवं अभिलेखों के विनिष्टीकरण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जारी निर्देशों के तहत कार्यालय वाणिज्यिक कर अधिकारी, मंडला वृत्त में अनुपयोगी सामग्री की नियमानुसार विक्रय अथवा सार्वजनिक नीलामी की प्रक्रिया की जाएगी। विभाग द्वारा ऐसे व्यवसायी, फर्म या संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

यातायात व्यवस्था में बाधा बनने वाले ऑटो वाहनों पर यातायात पुलिस की सख्त कार्रवाई

*** 18 ऑटो चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही, 9000 समन शुल्क वसूल।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन में शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने हेतु मंडला यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत थाना यातायात प्रभारी श्री ललित धुर्वे एवं यातायात पुलिस बल द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर ऐसे ऑटो वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, जो निर्धारित स्थानों पर वाहन खड़े न कर यातायात बाधित कर रहे थे। कार्यवाही के दौरान कुल 18 ऑटो वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए 9000 रूपये समन शुल्क वसूला गया। यातायात पुलिस द्वारा सभी ऑटो चालकों एवं अन्य वाहन चालकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन केवल निर्धारित स्थानों पर ही खड़े करें तथा यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। मंडला यातायात पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

कुछ साल पहले स्कूलों में शासन की राशि से बनाई गई टंकिया अनेक जगहों पर नहीं मना पाई अपना जन्म दिवस

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। सरकार द्वारा शासकीय शिक्षण संस्थाओं में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को पीने के पानी को लेकर किसी भी प्रकार से परेशान न होना पड़े इस बात को ध्यान में रखते हुये एक नई योजना चलाते हुये लाखों रूपया खर्च किये जाते है। मगर देखा जाता है कि सरकार द्वारा चलाई जाने वाली यह योजनाये अधिकारियों से लेकर संबंधित ठेकेदारों के लिये मलाई साबित होते हुये देखी जाती है, जिसके चलते शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च होने के बाद भी वह निर्माण कार्य अपना एक जन्म दिन मनाने के पहले ही गायब नजर आने लगते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये वर्ष स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिये टंकियों का निर्माण कराया गया था। मगर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में देखा जावे तो एक वर्ष पहले बनाई गई यह टंकिया जहां गायब नजर आ रही है तो दूसरी ओर अनेक जगहों पर टंकियों में लगे हुये नल टूटे दिखाई दे रहे है। बताया जाता है कि शासन की योजना के स्कूलों में बच्चों को आसानी से पानी उपलब्ध कराये जाने की सोच के चलते एक वर्ष पहले पानी टंकियों का निर्माण कराते हुये उनमें अनेक नल लगाये गये थें। इस कार्य को पूर्ण करने के लिये ठेकेदारों को जिम्मेदारी सौपी गई थी। मगर सही मायने में देखा जावे तो सरकार की इस योजना के चलते मात्र सरकारी धन की होली खेलने के आलवा और कुछ साबित होते हुये नजर नही आया है? क्योंकि ठेकेदार द्वारा इन टंकियों में नल लगाने का कार्य पूर्ण करते हुये वहां की फोटो अधिकारियों को भेजने के बाद जिस तरह इतिश्री की गई थी उसका परिणाम है कि निर्माण के चंद दिवस उपरांत ही वह नल टूटकर गिरते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहे थें तो दूसरी ओर अब देखा जावे तो स्कूलों में निर्मित यह टंकिया व नल अपना पहला जन्म दिवस मनाने के पहले ही गायब नजर आने लगे है? क्योंकि जब भी कोई सीमेन्ट से संबंधित निर्माण कार्य होता है तो कुछ दिनों तक उसकी पानी के माध्यम से तराई की जाती है तब कही वह निर्माण कार्य मजबूत होता है। मगर निर्माण कार्य करने वाली संस्था द्वारा मात्र निर्माण कार्य की औपचारिकता पूर्ण करते हुये उन्हें भुला दिया गया था जिसका परिणाम क्षेत्र की शिक्षण संस्थाओं में निर्माण के चंद दिवस बाद टूटते हुये नलों के रूप में आसानी से देखने मिलना शुरू हो गया था और एक साल का समय पूरा भी नही गुजर पाया है और नल से लेकर टंकिया गायब नजर आने लगी है? कुछ इसी प्रकार से जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों की माध्यमिक शाला भवन में आसानी से देखने मिल सकता है जहां पर इन टंकियों का लगभग एक वर्ष पहले निर्माण कार्य किया गया था मगर निर्माण के दौरान अपनाई गई गुणवत्ता तथा उनकी तराई को लेकर ठेकेदार द्वारा कोई कदम नही उठाये जाने के चलते शासन की राशि की होली खेलने के समान साबित होने से नही चूक पाया है। यह बात अलग है कि कुछ स्कूलों के शिक्षको द्वासरा जरूरी अपनी जागरूकता सहित दायित्वो का निष्ठा के साथ पालन किया गया था जिसके चलते वहां की टंकिया आज सुरक्षित नजर आ रही है। मगर यह सच्चाई मात्र चंद स्कूलो में ही देखने मिल सकती है। इस तरह ठेकेदार की जिम्मेदारी का कार्य शिक्षकों को करते हुये शासन की राशि को बर्बाद होने से बचाया गया है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये लगभग एक साल पहले क्षेत्र की अनेक शिक्षण संस्थाओं में इस तरह टंकियों में नल लगाने का कार्य हुआ है। मगर यदि उन स्कूलों में पहुंचकर देखा जावे तो वह टूटे हुये दिखाई देने से नही चूक रहे है। इस सच्चाई को देखते हुये सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार इस तरह औपचारिकता पूर्ण कार्य के नाम पर सरकार के धन की होली खेलने का क्या औचित्व है..?

रात के समय पैदल व सरे भरते हुये जाने वाले लोगों के लिये इस मार्ग से दौड़ने वाले भारी भरकम वाहनों से बनती है खतरे की संभावना..?

ज्येष्ठ माह की स्नान पूर्णिमा के चलते देर रात नर्मदा मार्ग की सड़कों पर उमड़ते हुये देखने मिला भक्तों को जन सैलाब

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हमारे क्षेत्र के सौभाग्य है कि गाडरवारा तहसील से माँ नर्मदा का निकलना हुआ है, जिसके चलते हमारे क्षेत्र को बडी बड़ी मुश्किों से माँ नर्मदा बचाती चली आ रही है। मॉ नर्मदा मे गाडरवारा क्षेत्र की ही नही बल्कि पूरा भारत वर्ष के श्रद्धालुओं की असीम आस्था है। मगर देखा जा रहा है के माँ नर्मदाजी के संरक्षण को लेकर सरकार द्वारा की जाने वाली सभी घोषणाये मात्र एक दिखाबा साबित होने से नही चूक पाती है तो दूसरी ओर नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों का जीवन भी असुरक्षित महसूस किये जाने लगा है। क्योंकि हर माह पूर्णिमा के अवसर पर देखा जाता है कि जहां नर्मदाजी के हर घाट पर भक्तों का मेला लग जाता है तो दूसरी ओर पूर्णिमा के पहले से ही क्षेत्र की सड़को से जहां सैकड़ो संख्या में भक्त सरे भरते हुये नर्मदा के लिये निकलते है तो दूसरी ओर पूर्णिमा के पूर्व रात्रि का महौल तो इस तरह से देखने मिलता है कि नर्मदाजी के लिये पहुंचने वाले मार्गो पर जन सैलाब समाने का नाम ही नही लेता है। इस स्थिति में निश्चित तौर से नर्मदाजी के लिये पहुंचने वाले मार्गो से जिस तरह रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी रहने के कारण इन भक्तों के लिये खतरा पैदा होने से नही चूक पाता है? इस बात की सच्चाई बीते हुये वर्ष उस समय देखने मिल भी चुकी है जब ककरा घाट सरे भरते हुये जा रही भक्तों के ऊपर एक वाहन के चढ़ जाने के कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ गई थी..? इसी बात को ध्यान में रखते हुये नर्मदा भक्तों द्वारा शासन प्रशासन के साथ साथ क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों से मांग की जा रही है कि हर माह यानि की पूर्णिमा के पूर्व रात्रि पर नर्मदा की ओर जाने वाले मुख्य मार्गो पर भारी भरकम वाहनों में मुख्य रूप से डम्फरों की

धमाचौकड़ी पर एक रात के लिये प्रतिबंध लगना चाहिये। इसी प्रकार का हाल आज ज्येष्ठ व स्नानदान पूर्णिमा के चलते शनिवार की रात देखने मिला। देर रात तक नर्मदा स्नान करने जाने वाले पैदल जत्थों की भीड़ उमड़ते हुये देखने मिली। इसी के चलते लम्बे समय से पूर्णिमा के पूर्व रात जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक सहित स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों से नर्मदा भक्तों द्वारा अपेक्षा जताई जा रही है कि रात को नर्मदाजी की ओर जाने वाली सभी मार्ग पर भारी वाहन मुख्य रूप से डम्फरों की धमाचौकड़ी पर रोक लगाने के आदेश देना चाहिये। मगर इस ओर किसी तरह से जम्मेदारों द्वारा ध्यान नही दिये जाने के चलते बीते हुये रात नर्मदा भक्तों के बीच भारी भरकम डम्फर धमाचौकड़ी मचाते हुये देखे गये। वही दूसरी ओर देखा जा रहा है सरकार द्वारा माँ नर्मदाजी के संरक्षण को लेकर आये दिन बड़ी बडी घोषणाये तो की जाती है। मगर उन पर अमल नही होने के कारण माँ नर्मदा लगातार प्रदूषित होने से नही बच पा रही है। यह बात अलग है कि माँ नर्मदा क्षेत्र के हर तबके के लोग मॉ नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए क्या क्या कर रहे है यह बात सभी जानते है। आये दिन देखा जाता है कि क्षेत्र की पावन माँ नर्मदा को प्रदूषण से मुक्त रखने के लिए लोगों द्वारा जहां सफाई अभियान चलाते हुए उसे प्रदूषण व गंदगी से मुक्त किया जा रहा है। सच्चाई पर नजर डाली जावे तो कुछ लोग इस प्रकार के भी देखे जात है तो माँ नर्मदा की कृपा से अपना जीवन संभार रहे है जिसके चलत जहां प्रतिवर्ष सैकड़ो लोगों द्वारा माँ नर्मदा की नंगे पैर परिक्रमा करते हुए सुबह शाम जहां माँ नर्मदा की आरती व पूजन करने के साथ साथ हर माह अमावस्या व पूर्णिमा के अवसर पर माँ नर्मदाजी की शरण में सरे भरने से लेकर नंगे पैर पैदल पहुंचते है। इस प्रकार से आस्थावान लोगों के चलते माँ नर्मदा के हर घाटों पर मेले का स्वरूप देखने मिलता है और वही दूसरी ओर कुछ लोग इस प्रकार से भी होते है जो माँ नर्मदाजी में गंदगी फैलाने से नही चूकते है? कुछ लोगों को इस प्रकार से भी देखा जाता है जिनके मुंह मे राम बगल मे छुरी बाली कहावत को चरितार्थ करने में कसर नही छोड़ते है? जिनका मॉ नर्मदा मे पूजन करने का तरीका भी अनोखा होता है जो अपने घर की पूजन हवन सामग्री सहित अन्य सामग्री बड़े बड़े पालीथिनो मे लेकर पहुंचते है वही सामग्री माँ नर्मदा के निर्मल नीर में छोड़ते हुये गंदगी फैलाते हुये देखे जाते है। इस प्रकार से अपने घरों से लाई गई हवन पूजा सामग्री पालिथिन सहित नर्मदा जल मे डालकर मॉ नर्मदा के अमृत जल को प्रदूषित एवं गंदा करते हुये देखे जाते है। मगर इसके बाद भी माँ का हृदय इतना बड़ा होता है कि वह अपने आंचल को मेला करने वालों की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये सदा ही उन्हें आर्शीवाद देते हुये देखी जाती है। वही दूसरी ओर सरकार द्वारा माँ नर्मदा के संरक्षण की बात कहते हुये अनेक प्रकार की योजनाएं तो चलाई जा रही है। मगर जिस तरह से माँ नर्मदा के जल को शहरों में घरेलू उपयोग से लेकर स्थापित हो रहे उद्योगों में पहुंचाने के लिये छूट प्रदान की जा रही है उसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदा का स्वरूप बदलते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि माँ नर्मदा का जल जहां शहरों में पहुंचते हुये उसका घरेलू उपयोग होने के कारण माँ नर्मदा भक्तों की आस्था को ठेस पहुंचते हुये देखी जा रही है तो दूसरी ओर उद्योग केन्द्रो में भारी मात्रा में नर्मदा जल ले जाने के कारण हर वर्ष नर्मदा जी के जल स्तर में कमी दिखाई देने से नही भी चूक पा रही है। मगर इस ओर न तो सरकार द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही अन्य अधिकारियों द्वारा जिसके चलते निश्चित तौर से माँ नर्मदा का अस्तित्व खतरे में पड़ते हुये दिखाई देते हुये जान पड़ रहा है? कुछ इसी प्रकार से माँ नर्मदा को प्रदूषण करने की हद तो तब देखने मिली जब कुछ दिवस पहले समीपस्थ माँ नर्मदाजी के तट के पावन जल में कुछ मरे हुए मावेशी पड़े हुए थें, जिनको वहां मौजूद कौआ, कुत्ता व अन्य जानवर नोच नोच कर खा रहे थें। वही दूसरी ओर इन मरे पड़े हुए मावेशियों से निकल रहे बदबू के कारण माँ नर्मदा स्नान करने गये श्रद्वालाओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखकर लोगों द्वारा यह बात कहने से नही चूके की जिस क्षेत्र के लोगों का जहां माँ नर्मदा भला कर रही है और वही लोग इन्हें प्रदूषित करने से नही चूक रहे है..? यदि माँ नर्मदाजी के प्रति सरकारों का यही रवैया यही रहा तो वह दिन दूर नही जब हम मॉ नर्मदा के सिर्फ दर्शन भर कर सकेगें उनके जल के लिये तरस जायेंगे।

मौसम के बदले मिजाज ने किसानों को डाला हैरत में, मूंग फसल को सुरिक्षत करने में रात दिन एक करते हुये जुटा हुआ देखा जा रहा है क्षेत्र का अन्नदाता

हरिभूमि न्यूज/चीचली। दुनिया का पेट भरने वाला अन्नदाता किसान की परेशानियों को शायद ही कभी कोई नही समझ पता है क्योंकि जब किसान अपने खेतों में बोनी करने की शुरूआत करता है तो उसे जरूरी सामग्री प्राप्त करने के लिये भूखे प्यासे रहकर लम्बी लम्बी लाईनों में खड़ा रहने के लिये मजबूर होते हुये देखा जाता है। मगर इसके बाद जब वह किसी भी प्रकार से अपने खेतों में फसल को लगा चुका होता है तो उसमें लगने वाले अनेक प्रकार की कीटों से बचाव को लेकर मंहगी से मंहगी दबाईयों का छिडकाव करने के लिये पैसा नही रहता है तो कर्ज उठाते हुये अपनी फसल की रक्षा के चलते कर्जदार बन जाता है और उसकी खेत में फसल तैयार होकर कटने की स्थिति में पहुंचती है तो प्रकृति की मार अन्न दाता का पीछा नही छोड़ती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय भी देखने मिल रही है। लगातार प्रकृति की मार झेलते हुये किसानों द्वारा सूरज की तेज तपन का सामना करते हुये अपने खेतों में मूंग फसल इस उम्मीद के साथ लगाई गई थी कि इस वर्ष शायद किस्मत उनका साथ दे देगी और वह जूझ रहे आर्थिक तंगी से निजात पा जावेगे और इसी सोच के चलते मूंग फसल की सुरक्षा को लेकर उनके द्वारा काफी लगात भी लगाई गई थी जिसके चलते मुश्किलों के बीच तैयार हुई मूंग फसल इस समय किसानों के खेतों में कटने की तैयार हो चुकी है। मगर

अचानक मौसम के बिगडते बनते हुये मिजाज ने किसानों को परेशानी में डाल दिया गया है। क्योंकि देखा जाता है कि आये दिन अचानक तेज हवा और आसमान में छाने वाले बादलों ने निश्चित अन्नदाताओं की रातों की नींद गायब कर दी है और इसी के चलते इस समय सूजर की तेज तपन की चिंता न करते हुये किसान अपने खेतों में खडी हुई मूंग फसल को सरक्षित घर लगाने की तैयारी में जुटा हुआ देखा जा रहा है? इस तरह किसानों को मूंग फसल की कटाई से लेकर घर तक लाने के लिये काफी लगात लगाना पड़ रही है। क्योंकि दिनों दिन बढ़ रही महंगाई के बीच किसानों के लिये हर कार्य महंगे दामों में कराना पड़ रहा है और वह दिन रात अपने खेतों में नजर आते हुये मूंग फसल की कटाई में जुटा हुआ देखा जा रहा है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि इस तरह रात दिन एक करते हुये किसानों द्वारा तैयार की गई मूंग फसल को सरकार द्वारा मात्र 25 प्रतिशत खरीदने की चर्चाये सुने जाने से अन्नदाता चिंता में आ गया है..? अब सबाल यह पैदा ह रहा है कि यदि सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों की पूरी मूंग नही खरीदी गई तो निश्चित तौर से किसान व्यापारियों को अपनी मूंग ओने पोने दामों में विक्रय करने के लिये मजबूर हो जावेगे और इससे उनके द्वारा इस फसल को तैयार करने में लगाई गई लगात प्राप्त करना भी मुश्किल हो जावेगा? क्योंकि अभी तक सरकार द्वारा यह बात उजागर नही की गई है कि उसके द्वारा किसानों की मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदा जावेगा कि नही इसी के चलते क्षेत्र के किसान अपनी मूंग फसल को लेकर असमंजस की स्थिति में पड़े हुये दिखाई पड़ रहे है।

इंजी दीपेश को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। निश्चित तौर से जब कोई युवा अपने कार्य क्षेत्र में लग्न व निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करता है तो उसकी प्रशंसा होने के साथ साथ उनके कार्यो को लोगो द्वारा सराहते हुये सम्मानित करने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार से नगर के युवा इंजी दीपेश श्रीवास्तव को भी First Influencer Meet Gadarwara 2026 के तहत सम्मानित किया गया। बताया जाता है कि नगर में पहली बार Influencer Meet 2026 का आयोजन किया गया। इस आयोजन में नगर सहित अन्य शहरों के क्रिएटर शामिल हुए। इस प्रकार का आयोजन गाडरवारा में पहली बार आयोजित होने के चलते आकर्षण का केन्द्र बनने से नही चूक पाया तो दूसरी ओर युवा इंजी. के होसला बढ़ाने में भी सहायक सिद्व होते हये प्रतीत हुआ। बताया जाता है कि इस कार्यक्रम को Atulya Farm एवं PR Production द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें शहर के content creator दीपेश कुमार श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि दीपेश पिछले कई वर्षों से Social Media (Instagram एवं Facebook) में Civil Engineering एवं Home Designing के अंतर्गत videos बनाते हैं । नगर के युवा इंजी. दीपेश की 20s_civil_engineer नाम से Instagram पर हैं। नगर के युवा दीपेश कुमार पिता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव की इस सफलता ने शहर के साथ साथ संपूर्ण का गौरव बढ़ाया गया है।

ग्राम खुरशुरू में शासकीय भूमि से हटाया गया अतिक्रमण

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासकीय भूमि पर लोगों की इस तरह नजर रहती है कि वह अपने स्वार्थ के चलते आमजन का रास्ता बंद करने की बात तो दूर शमशान घाटों पर मुर्दो को जलाने के लिये भी जगह नही छोड़ते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुरशुरू में देखने मिल रही थी। जहां पर शासन की टीम द्वारा ग्रामीणों के शिकायत पर अपना बुलडोजर चलाते हुये शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। बताया जाता है कि जिला कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में गाडरवारा तहसील के ग्राम खुरशुरू में शासकीय रास्ता और शमशान की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही राजस्व विभाग के अमले के द्वारा की गई। ग्राम खुरशुरू के शासकीय रास्ते पर अवैध रूप से कुछ लोगों द्वारा अतिरिक्त दीवाल एवं शौचालय बनाकर अतिक्रमण किया गया था जिसके चलते जहां ग्राम के लोगों को आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वही दूसरी ओर जब गांव में किसी व्यक्ति की मौत हो जाती थी तो उसके अंतिम संस्कार के लिये भी परेशान होते हुये देखा जाता था। इसी बात को ध्यान में रखते हुये जिला कलेक्टर द्वारा शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने के निर्देश दिये जाने के चलते बीते हुये दिवस प्रशासन की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर शासकीय भूमि पर किये गये अतिक्रमण पर अपना बुलडोजर चलाते हुये अतिक्रमण हटाकर रास्ता खाली करवाया गया। इसके अलावा ग्राम में स्थित शमशान की भूमि से अवैध अतिक्रमण हटाकर रास्ता खुलवाया गया। इस दौरान नायब तहसीलदार सुश्री चंदन तिवारी सहित राजस्व विभाग का अमला मौजूद थे।

जल स्रोत स्वच्छता व पूजन के साथ जल कलश यात्रा के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि हमारे क्षेत्र में माँ नर्मदा के आर्शीवाद के चलते कभी जल की कमी का अहसास नही हुआ है। मगर लोगों द्वारा जिस प्रकार से जल का दोहन करते हुये उसकी बर्बादी की जा रही है जिसके चलते इस निर्मल नीर का मूल्य ही नही समझ रहे है। आज दुनिया के अनेक इस प्रकार के देश है जहां पर एक एक बूंद पानी के लिये लोग तरसते हुये देखे जाते है। इसके बाद भी हमारे देश में जहां तहां जल की बर्बादी के जो नजारे देखने मिलते है। इस तरह हो रहे जल के दुरूपयोग के चलते वह दिन दूर नही जब हम लोग भी यदि समय रहते हुये सचेत नही हुये तो एक एक बूंद पानी के लिये लड़ते हुये दिखाई देने से नही चूकेगे..? इसी बात को ध्यान में रखते हुये सरकार द्वारा जल संबर्धन अभियान के तहत लोगों को जल संरक्षण के लिये जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के तहत बीते हुये दिवस जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाले सेक्टर क्रमांक 3 तेंदूखेड़ा में नवांकुर संस्था भीष्म शिक्षा समिति सूखाखैरी के मार्गदर्शन में जल संरक्षण जागरूकता का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत ग्राम सूखाखैरी और रातिकरार में गंगा दशहरा पर गंगा कलश यात्रा निकालकर शिव जलाभिषेक किया गया। वही दूसरी ओर जल स्रोत पर स्वच्छता अभियान चलाते हुये उनका पूजन करते हुये लोगों को जल संरक्षण के लिये जागरूक किया गया। वही बताया जाता है कि इस मौके पर संस्था सचिव ब्रजराज कौरव व कार्यक्रम समन्वयक कुलदीप कौरव सहित रिषभ कौरव, संदीप विश्वकर्मा, सचेन्द्र विश्वकर्मा, अमित कौरव, कु. कंचन कौरव, कु. नमामि कौरव, कु.काव्या कौरव, सुहाना कौरव, कु. राधा कौरव, कु. आशी कौरव, कु. महक कौरव, संस्कृति विश्वकर्मा, प्रस्फुटन समिति रातिकरार के अध्यक्ष राकेश पाली, सचिव चंद्रकुमार पाली, परी राय, महक पाली, ज्योति, रागिनी पाली, देव पाली, ओम राय, पार्थ राय, शीतल राय और विवेक ठाकुर के आलवा बच्चों सहित ग्रामजनों द्वारा ग्रामीणो को जल के महत्व से अवगत कराते हुये उसके बर्बाद होने से रोकने के लिये जागरूक किया गया।

सालीचौका क्षेत्र में चल रही कोयला की काला बाजारी, संबंधित विभाग की चुप्पी पर खड़े हो रहे सवाल..?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इस समय समीपस्थ सालीचौका क्षेत्र में जिस तरह नियम के विपरित कोयले का कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है वह संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि जब भी कोई व्यक्ति द्वारा कोयले की बिक्री की जाती है तो उसके लिये उसे पंजीयन कराते हुये विक्रय किये जाने वाले कोयले का बिल प्रदान किया जाता है तथा वह थोक के भाव में जहां से कोयला लेकर आते है उसका भी स्पष्टीकरण निर्धारित किया जाता है..? मगर यहां पर चलाने वाला कोयला का धंधा निश्चित तौर से चर्चा का विषय बनने से इसलिये नही चूक रहा है। क्योंकि प्रतिदिन देखा जाता है कि रात होते ही जिस तरह कोयला विक्रय करने वाले तथा कतिथ माफियों के यहां कोयला खाली होते हुये देखा जाता है उसको लेकर आमजन का आरोप है कि वह समीपस्थ गोटीटोरिया खदान से या फिर अन्य किसी जगह से चोरी छिपे लेकर आते है और कोयला माफियाओं के यहां यह कोयला चोर ओने पोने दामों में विक्रय करके चले जाते है यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने...? मगर जिस तरह रात होते ही यहां पर कोयला से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली से लेकर अन्य वाहन रात के अंधरे में खाली होते हुये देखे जाते है वह निश्चित ही अनेक सबालों को जन्म देने से नही चूक रहे है? इस तरह सालीचौका क्षेत्र में होने वाला यह कोयला का अवैध कारोबार संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुका है। मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग द्वारा कोयला का कारोबार करने वालों के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई खोज खबर न लेना काले सोने का अवैध कारोबार करने वालों को संरक्षण देने की मुद्रा में नजर आने से नही चूक रहे है? क्योकि कोई भी अवैध कारोबार तभी संभव हो सकता है जब संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत होती है। क्योंकि बगैर मिली भगत के किसी भी अवैध कारोबार का संचालन जहां चंद मिनिट भी चल पाना संभव नही होता है..? इस तरह सालीचौका में चल रहे कोयला के कारोबार को लेकर सबाल यह सच्चाई को देखते खड़े होने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि यहां पर विक्रय करने वालों का कोयला अधिकांश समय रात के समय ही आते हुये देखा जाता है तो दूसरी ओर जब कोई व्यक्ति अपनी जरूरत के लिये कोयला अन्य किसी शहर या फिर बाहर से लेकर आता है तो संबंधित विभाग द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर उसके खिलाफ कार्यवाही करने में देर नही करता है और यदि कोई व्यक्ति नगर के इन कोयला माफियों से कोयला खरीदता है तो उसके खिलाफ किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न होना निश्चित तौर से संबंधित विभाग का कोयला माफियों को पूर्णरूप से संरक्षण जान पड़ते हुये देखा जा रहा है? इस सच्चाई को लेकर क्षेत्र की जनता द्वारा सालीचौका में कोयला का कारोबार करने वालों की ठिकानों की जांच करते हुये उनके द्वारा बुलाये जाने वाले कोयला की सच्चाई पर जांच करने की मांग उठाई जा रही है...?

खबर संक्षेप

जल स्रोत पूजन कर साफ-सफाई एवं संरक्षण हेतु किया गया विशेष कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज कोतमा। 28 मई को गंगा दशहरा के पावन अवसर पर "जल गंगा संवर्धन अभियान" के अंतर्गत नवांकुर संस्था मां अंबे सेवा समिति के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत बरगवा के देवी तालाब में ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बगैहटोला के सहयोग से तालाब में जल स्रोत पूजन कर साफ-सफाई एवं संरक्षण हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधिवत पूजा-अर्चना, आरती एवं दीप प्रज्वलन कर जल संरक्षण का संदेश दिया गया साथ ही कलश पूजन जिसमें मातृ शक्तियों की सहभागिता सबसे ज्यादा रही। इस अवसर पर विकास खंड कोतमा समन्वयक सरीमन साकेत, नामांकुर संस्था प्रतिनिधि देवांश रैकवार, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति बगैहटोला के अध्यक्ष श्रीमती पूजा द्विवेदी, नवांकुर अध्यक्ष सचिव एवं समाजसेवी पंकज द्विवेदी तथा ग्राम पंचायत के अन्य नागरिकों की सहभागिता के साथ साथ एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू छात्र छात्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देना रहा, जिसमें सभी उपस्थित जनों ने सक्रिय सहभागिता निभाई जल है तो कल है जल ही जीवन है।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर किया गया जल स्रोत सेवा समागम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मुख्यमंत्री के कुशल निर्देशन में चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत जल स्रोत सेवा समागम का आयोजन गंगा दशहरा के पावन अवसर पर किया गया। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पांडे के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड कोतमा, जिला अनूपपुर की नवांकुर संस्था मां अंबे सेवा समिति के तत्वाधान में शिवसागर तालाब, शिव मंदिर स्थित जल स्रोत स्थल पर साफ-सफाई कार्य एवं विधि-विधान से जल स्रोत का पूजन कार्य संपन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम का विकासखंड समन्वयक सरीमन साकेत एवं संस्था के प्रतिनिधि दिलीप शुक्ला के नेतृत्व में किया गया, जिसमें संस्था के सदस्यों एवं स्थानीय लोगों में नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ, समाजसेवी वरिष्ठ नेता हनुमान गर्ग, पार्षद दीपू सोनी, समाज सेवी सुदर्शन रैकवार, देवांश रैकवार, रश्मि रैकवार, आनंद शर्मा, अजय शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम में बताया गया कि नागसागर तालाब जैसे जल स्रोत नगर की जीवनरेखा हैं। इनकी नियमित साफ-सफाई से जल की गुणवत्ता बनी रहती है, भूजल स्तर बढ़ता है और जलजनित बीमारियों से बचाव होता है। जल है तो कल है के संदेश के साथ सभी को श्रमदान कर जल स्रोतों को अतिक्रमण एवं प्रदूषण से बचाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल स्रोतों को बचाने और स्वच्छ रखने की शपथ ली।

मिला-जुला रहा शनिवार को मौसम का मिजाज

कोतमा। शनिवार को नगर मे लोगो को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। सुबह तेज धूप थी दोपहर बाद आसमान में बादल छाए रहे मौसम विभाग ने हल्की बूंदाबांदी या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। बादलों और नमी के कारण उमस भरी गर्मी दिनभर बनी रही जिससे दिन का अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान लगभग 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बादलों की आवाजाही के बावजूद हवा में नमी होने से भारी उमस और बेचैनी महसूस हो रही थी। दोपहर मे बादलों की आवाजाही के कारण लू के थपेड़े पड रहे थे जिसके कारण लोग जरूरी काम से ही घरों से बाहर निकल रहे थे वह भी चेहरे को ढक कर। सडके दोपहर मे सूनी जजर आ रही थी। गर्मी से राहत पाने के लिए गन्ना रस लस्सी नींबू पानी की दुकानों मे लोगों पहुंच रहे थे।

डिंडौरी में सड़क हादसों का कहर- एक की मौत, सात घायल

डिंडौरी।

जिले में शुक्रवार को अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। घायलों का जिला अस्पताल सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार जारी है। पुलिस ने सभी मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, शहपुरा थाना क्षेत्र में कृष्णा पेट्रोल पंप के समीप एक तेज रफ्तार कार पहले दूसरी कार से टकरा गई। इसके बाद वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक के पीछे जा घुसा। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से दोनों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर किया गया।

वहीं, जिले के सागरटोला, झनकी, करोंदी और बजाग क्षेत्रों में भी अलग-अलग सड़क दुर्घटनाएं हुईं। इन हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कुछ घायलों का इलाज जिला अस्पताल डिंडौरी में तथा अन्य का बजाग अस्पताल में किया जा रहा है।जिले में लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन चलाते समय बरती गई लापरवाही को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण माना जा रहा है। पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है और हादसों के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

डिंडौरी में सिंचाई परियोजनाओं पर सवाल

97 जलाशयों से हजारों हेक्टेयर सिंचाई का दावा, कई क्षेत्रों में जल संकट कायम

डिंडौरी। केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने तथा सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के उद्देश्य से पिछले वर्षों में जिले में जल संसाधन विभाग के माध्यम से सैकड़ों बांध, जलाशय, एनीकट और डायवर्सन परियोजनाओं का निर्माण कराया गया। इन परियोजनाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए गए, लेकिन जिले के अनेक क्षेत्रों में किसान आज भी पर्याप्त सिंचाई सुविधाओं से वंचित हैं। इससे विभागीय दावों और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है।विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिले में संचालित 97 बांध एवं जलाशयों के माध्यम से खरीफ और रबी सीजन में हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचित किए जाने का दावा किया जाता है। आंकड़ों में खरीफ सीजन में 12 हजार 764 हेक्टेयर तथा रबी सीजन में 28 हजार 829 हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने का उल्लेख है। वहीं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से 36 हजार हेक्टेयर भूमि सिंचित किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों का कहना है कि कई जलाशय और नहरें अपेक्षित क्षमता के अनुरूप कार्य नहीं कर रही हैं, जिससे सिंचाई का लाभ सीमित क्षेत्रों तक ही पहुंच पा रहा है।आदिवासी बहुल डिंडौरी जिला लंबे समय से आर्थिक और आधारभूत सुविधाओं के मामले में पिछड़े जिलों में गिना जाता रहा है। जिले की बड़ी आबादी कृषि, मजदूरी और सरकारी योजनाओं पर निर्भर है। ऐसे में सिंचाई परियोजनाओं से किसानों को व्यापक लाभ मिलने की अपेक्षा की गई थी, लेकिन कई क्षेत्रों में जल संकट और सीमित सिंचाई सुविधाओं की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

जलाशयों से हजारों हेक्टेयर सिंचाई का दावा

जल संसाधन विभाग द्वारा बिलगांव मध्यम परियोजना, दनदना नाला जलाशय, गोरखपुर जलाशय, गोपालपुर जलाशय, सारस डोली जलाशय, भाखा डायवर्सन स्कीम सहित अनेक परियोजनाओं से हजारों हेक्टेयर भूमि सिंचित किए जाने का दावा किया गया है। विभागीय रिकॉर्ड में जिले के दर्जनों जलाशयों और डायवर्सन योजनाओं को सिंचाई का प्रमुख आधार बताया गया है।

कई जलाशय गर्मी से पहले ही सूखे

स्थानीय स्तर पर प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले के कई जलाशय और डायवर्सन परियोजनाएं गर्मी के शुरुआती दौर में ही जलविहीन हो जाती हैं। सुंदरपुर डायवर्सन स्कीम, खुड़िया डायवर्सन, मुरता, बरगी, पड़रिया, केवलारी तथा अमरपुर क्षेत्र के कुछ जलाशयों में जल संरक्षण क्षमता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। कई स्थानों पर संरचनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव को लेकर भी शिकायतें सामने आई हैं।

रखरखाव पर खर्च, फिर भी नहीं सुधरी स्थिति

जल संसाधन विभाग द्वारा बांधों और नहरों के रखरखाव एवं मरम्मत के लिए प्रतिवर्ष बड़ी राशि खर्च की जाती है। इसके बावजूद कई परियोजनाओं की स्थिति संतोषजनक नहीं बताई जा रही है। वर्ष 2021-22 में नहर सफाई एवं मरम्मत कार्यों के लिए मनरेगा के तहत करोड़ों रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन कई क्षेत्रों में नहरों और सिंचाई तंत्र की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं दिखाई दिया।

जल संरक्षण अभियान पर प्रशासन का जोर

इधर जिला प्रशासन जल संरक्षण और भूजल संवर्धन को बढ़ावा देने के लिए 'जल गंगा संवर्धन अभियान' संचालित कर रहा है। अभियान के तहत विभिन्न विभागों के सहयोग से जल संरचनाओं का निर्माण, पुनर्जीवन और जनजागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। प्रशासन का दावा है कि जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले में व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम आने वाले वर्षों में देखने को मिल सकते हैं।सिंचाई परियोजनाओं पर हुए भारी निवेश और किसानों को मिलने वाले वास्तविक लाभ के बीच मौजूद अंतर अब जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में आवश्यक है कि परियोजनाओं की प्रभावशीलता, रखरखाव और वास्तविक सिंचाई क्षमता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाए, ताकि किसानों को योजनाओं का अपेक्षित लाभ मिल सके।

स्थायी शिक्षा समिति के निर्देशों की अनदेखी पर बीईओ के खिलाफ कार्रवाई की अनुशंसा

डिंडौरी। समनापुर विकासखंड में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। जनपद पंचायत समनापुर ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए प्रस्ताव कलेक्टर को भेजा है। मामला स्थायी शिक्षा समिति द्वारा मांगी गई महत्वपूर्ण जानकारियां निर्धारित समय में उपलब्ध नहीं कराने से संबंधित है।जानकारी के अनुसार, 26 फरवरी 2026 को आयोजित स्थायी शिक्षा समिति की बैठक में विकासखंड के विद्यालयों की आय-व्यय संबंधी जानकारी, संकुल स्तर के अभिलेख तथा कर्मचारियों की सेवा संबंधी विवरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। समिति ने यह जानकारी प्रशासनिक समीक्षा एवं विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के उद्देश्य से मांगी थी।बैठक के बाद भी संबंधित जानकारी प्रस्तुत नहीं किए जाने पर जनपद पंचायत समनापुर ने पत्र क्रमांक 685, दिनांक 16 अप्रैल 2026 के माध्यम से विकासखंड शिक्षा अधिकारी को आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बावजूद जानकारी प्राप्त नहीं होने पर 19 मई 2026 को स्मरण पत्र क्रमांक 1214 जारी कर पुनः जानकारी प्रस्तुत करने को कहा गया।

आरोप है कि निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बाद भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा मांगी गई जानकारी एवं अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए। जनपद पंचायत ने इसे स्थायी शिक्षा समिति के निर्णयों की अवहेलना तथा शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही माना है। समिति का कहना है कि आवश्यक जानकारी के अभाव में निर्णयों के पालन और प्रशासनिक कार्यों के संचालन में बाधा उत्पन्न हुई।मामले की गंभीरता को देखते हुए जनपद पंचायत समनापुर ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के तहत संबंधित अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की है। प्रस्ताव कलेक्टर डिंडौरी को भेज दिया गया है। अब इस मामले में प्रशासनिक जांच और आगामी कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

मनरेगा में वित्तीय अनियमितता पर उपयंत्री बर्खास्त

जिला पंचायत सीईओ की बड़ी कार्रवाई, करीब 10 लाख रुपये की गड़बड़ी उजागर

डिंडौरी। मनरेगा कार्यों में वित्तीय अनियमितता, शासकीय राशि के दुरुपयोग और कार्यों में लापरवाही के आरोप सिद्ध होने पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) दिव्यांशु चौधरी ने डिंडौरी जनपद पंचायत में पदस्थ संविदा उपयंत्री धूमकेती की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी हैं। जिला स्तरीय जांच समिति की रिपोर्ट में उपयंत्री के विरुद्ध 9 लाख 96 हजार 449 रुपये की वित्तीय अनियमितता प्रमाणित पाई गई है।

निजी भूमि पर कराया परकुलेशन टैंक निर्माण

विभागीय जांच में सामने आया कि ग्राम पंचायत पौण्डी माल एवं नयेगांव रैयत में 27.95 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत तीन परकुलेशन टैंकों का निर्माण शासकीय भूमि के बजाय निजी स्वामित्व वाली जमीनों पर कराया गया। यह कार्य मनरेगा के निर्धारित नियमों के विपरीत पाया गया। मामले में उपयंत्री के विरुद्ध 5 लाख 59 हजार रुपये की वसूली योग्य राशि निर्धारित की गई है।

बिना कार्य कराए राशि आहरण का आरोप

जांच में यह भी पाया गया कि ग्राम पंचायत पड़रियाकला में नाला विस्तारीकरण कार्य के दौरान वर्षाकाल में मजदूरों के नाम पर बिना कार्य कराए नियम विरुद्ध भुगतान किया गया। इस मामले में न्यायालय विहित प्राधिकारी द्वारा 2 लाख 23 हजार 388 रुपये की देयता निर्धारित की गई थी।

सीसी रोड निर्माण में भी मिली अनियमितता

ग्राम पंचायत पौण्डी माल में सीसी रोड निर्माण कार्य में भी अनियमितता सामने आई। अभिलेखों में 272 मीटर सड़क निर्माण दर्शाया गया, जबकि मौके पर केवल 218 मीटर सड़क का निर्माण पाया गया। इसके बावजूद पूरी लंबाई का मूल्यांकन कर 1 लाख 98 हजार 529 रुपये की अतिरिक्त राशि आहरित करने का प्रस्ताव तैयार किया गया था।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, संबंधित उपयंत्री को कार्यप्रणाली में सुधार के लिए कई अवसर दिए गए थे। साथ ही समीक्षा बैठकों में भी आवश्यक निर्देश जारी किए गए थे। 16 फरवरी 2026 को जारी कारण बताओ नोटिस के जवाब को भी विभाग ने असंतोषजनक माना। इसके बाद मध्यप्रदेश संविदा सेवा नियम-2023 एवं नवीन सेवा शर्त निर्देश-2025 के तहत कार्रवाई करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने संविदा सेवा समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर करंजिया में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

डिंडौरी। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र करंजिया में माहवारी स्वच्छता जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रणाम नर्मदा युवा संघ द्वारा संचालित "मिशन निरोग नारी" अभियान के तहत किया गया, जिसमें करंजिया विकासखंड की 100 से अधिक आशा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य आशा कार्यकर्ताओं को माहवारी स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं इससे जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों की जानकारी प्रदान करना था, ताकि वे अपने कार्यक्षेत्र में महिलाओं और किशोरियों को सही मार्गदर्शन देकर माहवारी संबंधी भ्रांतियों एवं अंधविश्वासों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रणाम नर्मदा युवा संघ के अध्यक्ष डॉ. विकास चंदेल ने कहा कि माहवारी महिलाओं के जीवन की एक स्वाभाविक जैविक प्रक्रिया है, लेकिन आज भी समाज में इससे जुड़े कई मिथक और गलत धारणाएं प्रचलित हैं। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं को ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता की मजबूत कड़ी बताते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम की परामर्शदाता सुनंदा वर्मन ने माहवारी की वैज्ञानिक प्रक्रिया, स्वच्छता के महत्व तथा माहवारी के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उचित स्वच्छता अपनाकर संक्रमण और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव है। साथ ही आशा कार्यकर्ताओं से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में खंड कार्यक्रम प्रबंधक प्रमोद चौकसे एवं ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर राम प्रकाश मरावी ने भी आशा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समुदाय स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने में उनकी भूमिका की सराहना की।उल्लेखनीय है कि प्रणाम नर्मदा युवा संघ द्वारा संचालित "मिशन निरोग नारी" अभियान पिछले छह वर्षों से महिलाओं एवं किशोरियों के स्वास्थ्य, माहवारी स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में कार्य कर रहा है। अभियान के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में नियमित रूप से प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।कार्यक्रम के समापन पर माहवारी स्वच्छता विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य, स्वच्छता और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. विकास चंदेल, कार्यकारी सदस्य माखन सिंह धुर्वे, जैकी यादव, नर्मदा प्रसाद सहित संस्था के पदाधिकारी, इंटर्न एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बिना रॉयल्टी चोरी की रेत से बने स्टॉप डैम

मानपुर।

प्रदेश शासन की अतिमहत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री ग्राम सडक़ एवं अवसंरचना योजना और जल संरक्षण दावों को जमीनी स्तर पर पलीता लगाने का एक सनसनीखेज मामला जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत नौगवाँ में सामने आया है। यहां विकास के नाम पर भ्रष्टाचार का ऐसा खेल-खेला गया है, जिसने शासकीय नियमों, वित्तीय शुचिता और तकनीकी मापदंडों की धज्जियां उड़ाकर रख दी हैं। जनता की गाढ़ी कमाई के लाखों रुपए पानी की तरह बहाकर अधिकारियों, सरपंच, सचिव और उपयंत्री की जेबें भरी गई हैं, जबकि जमीनी हकीकत में पानी की एक बूंद भी नहीं रुकी है।

पहली ही बारिश में जमींदोज हुआ नऊवा ढ़ोढ नदी का स्टॉप डैम

ग्राम पंचायत नौगवां के धखोदर रोड पर नऊवा ढ़ोढ नदी में महज 2 वर्ष पहले लाखों की लागत से बना स्टॉप डैम ताश के पत्तों की तरह पानी में बह गया। तकनीकी अंधेरगर्दी का आलम यह था कि डैम के किनारों पर न तो कोई सुरक्षात्मक विंग वॉल (रिटर्न वॉल) बनाई गई और न ही मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए कोई मजबूत बोल्डर पिचिंग की गई। नतीजतन, पहली ही तेज बारिश के थपेड़े यह भ्रष्टाचार का ढांचा झेल नहीं पाया। हद तो यह है कि मौके पर किसी निर्माण एजेंसी, लागत या मद का कोई सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया, जिससे साफ जाहिर होता है कि जनपद के आला अधिकारियों, ग्राम पंचायत सरपंच-सचिव और लापरवाह उपयंत्री (सब-इंजीनियर) ने मिलकर सबूतों को मिटाने और बंदरबांट करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

सरपंच के खेत के सामने बना दिया डैम

भ्रष्टाचार का सबसे शर्मनाक चेहरा तब उजागर हुआ, जब नौगवां के सरपंच मुकेश पटेल ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए नियमों की धज्जियां उड़ाकर सीधे अपने ही खेत के सामने एक और स्टॉप डैम का निर्माण करवा लिया। इस डैम का जनहित या अन्य ग्रामीणों से कोई लेना-देना नहीं है; इसका सीधा लाभ केवल सरपंच की बीसों एकड़ निजी भूमि को सींचने के लिए मिल रहा है। मध्यप्रदेश पंचायती राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 के तहत यह मामला सीधे तौर पर हितों के टकराव और पद के दुरुपयोग का है। कोई भी जनप्रतिनिधि केवल अपने निजी आर्थिक या व्यक्तिगत लाभ के लिए सरकारी धन का उपयोग नहीं कर सकता। यदि स्वतंत्र एजेंसी से जांच हुई, तो सरपंच मुकेश पटेल के खिलाफ धारा 40 के तहत पद से बर्खास्तगी और सरकारी राशि के गबन का आपराधिक मुकदमा दर्ज होना तय है। सरपंच महोदय अब ग्राम सभा के प्रस्ताव का रोना रोकर अपना पल्ला झाडने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कानूनन कोई भी बहुमत प्रस्ताव किसी अवैध कार्य को वैध नहीं बना सकता।

लोहिटा टोला के पास बिना किसी औचित्य और बिना घनी आबादी के, महज अपनी जेबें भरने के लिए 23 लाख 15 हजार रुपए की भारी-भरकम राशि का एक और रपटा कम स्टॉप डैम खड़ा कर दिया गया। इसकी तकनीकी स्वीकृति क्रमांक 353 (05/02/2024) और प्रशासनिक स्वीकृति क्र. 760/2024/2649 (23/02/2024) है, जिसकी पूर्णता तिथि 15 फरवरी 2026 निर्धारित थी। मौके पर न तो पानी का निकास सही है और न ही एप्रोच रोड। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पंचायत ने स्टॉप डैम तो खड़े कर दिए, लेकिन आज तक इनमें लोहे के गेट ही नहीं लगाए गए, जब गेट ही नहीं हैं, तो पानी कैसे रुकेगा। इन सभी तथाकथित स्टॉप डैमों में आज बूंद भर पानी नहीं है।

खुले आसमान के नीचे धूप में फसल बेचने मजबूर किसान

अव्यवस्था का शिकार हो रही कृषि उपज मंडी

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर।

सरकार द्वारा किसानों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए अनेकों योजनाएं संचालित करने के साथ साथ सम्पूर्ण व्यवस्था के साथ कृषि उपज मंडी का संचालन प्रशासन के माध्यम से किया जा रहा है लेकिन प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के कारण किसानों को बेहतर सुविधाएं नही मिल पा रही है। ऐसा ही मामला जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मंडी से सामने आया जहां पर किसानों के लिए बनाए गए शेड में व्यापारियों का कब्जा जमा हुआ है और किसान नौतपा कि धूप में भी खुले आसमान के नीचे अपनी फसल को बेचने के लिए मजबूर बना हुआ है। वही किसानों की उक्त समस्या की तरफ ना तो प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान जा रहा है और ना ही सत्ता व विपक्ष का कोई ध्यान है।

शेड पर व्यापारियों का कब्जा

कृषि उपज मंडी में इन दिनों अव्यवस्थाएं किसानों पर भारी पड़ रही हैं। बम्पर आवक के बीच मंडी परिसर के शेड व्यापारियों के खरीदे हुए अनाज से भरे पड़े हैं, जबकि किसान कड़ी धूप में खुले आसमान के नीचे अपनी उपज रखकर बोली लगने का इंतजार करने को मजबूर हैं। मंडी प्रबंधन की ढिलाई के चलते किसानों के लिए बनाई गई सुविधाएं अब व्यापारियों के भंडारण स्थल में बदलती नजर आ रही हैं। मंडी में खरीदी के बाद व्यापारियों द्वारा बड़ी मात्रा में अनाज शेडों में ही जमा रखा जा रहा है। नियमों के अनुसार खरीदा गया अनाज तय समय में गोदाम तक पहुंचाया जाना चाहिए, लेकिन परिवहन खर्च बचाने कई व्यापारी अनाज मंडी परिसर में ही रोक रहे हैं। मंडी प्रबंधन इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं कर पा रहा है, जिसका सीधा असर किसानों पर पड़ रहा है। मंडी परिसर में खुले आसमान के नीचे कई किसानों को उपज के ढेर लगाने पड़े, धूप में तपते हुए बोली का इंतजार करना पड़ा। मंडी में बुधवार को करीब 10 हजार क्विंटल की आवक बताई जा रही है। कहा जा रहा है कि शेड क्रमांक 7 में अनाज की बोली लगती है जो पूरा भरने से किसानों को खुले मैदान में अनाज के ढेर लगाने की नौबत रही।

शेड खाली कराने नहीं दिखाई जाती सख्ती

मंडी में सुबह से ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंचने वाले किसानों को शेड में अनाज रखने जगह नहीं मिलती। मजबूरी में उन्हें खुले में अनाज रखना पड़ रहा है। दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच किसान घंटों अपनी उपज की रखवाली करते नजर आते हैं। कई किसान सिर पर गमछा और तिरपाल डालकर धूप से बचने की कोशिश करते दिखे। किसानों का कहना है कि खुले में रखे अनाज के खराब होने और वजन प्रभावित होने का खतरा भी बना रहता है, लेकिन उपज बेचने की मजबूरी में उन्हें यह सब सहना पड़ रहा है। क्योंकि अधिकांश शेड व्यापारियों के अनाज से भरे रहते हैं। मंडी परिसर में हालात ऐसे बन गए हैं कि किसानों के लिए बनाए गए शेड अस्थायी गोदाम में तब्दील हो चुके हैं। किसानों का आरोप है कि मंडी प्रशासन न तो शेड खाली कराने की सख्ती दिखा रहा है और न ही वैकल्पिक व्यवस्था बना रहा है। इससे हर साल गर्मी के मौसम में किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। किसानों ने मांग की है कि खरीदे गए अनाज को तत्काल मंडी से बाहर भेजने के नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके और मंडी की मूल व्यवस्था बहाल हो। किसानों को शेड के नीचे अनाज रखने की सुविधा मिले।

उदासीनता दिखा रहा मंडी प्रबंधन

किसानों की समस्याओं को लेकर मंडी प्रशासन द्वारा उदासीनता दिखाई जा रही है। जिस कारण से किसानों की समस्याएं कम होने के नाम नहीं ले रही है। का कहना है कि मंडी में यह स्थिति नई नहीं है। हर साल आवक बढ़ने पर शेडों में व्यापारियों का अनाज जमा हो जाता है, लेकिन मंडी प्रबंधन समय रहते कार्रवाई नहीं करता। यदि खरीदे गए अनाज को तय समय सीमा में गोदाम भेजने की व्यवस्था लागू की जाए तो किसानों को खुले में उपज रखने की नौबत नहीं आए। किसानों ने आरोप लगाया कि प्रबंधन की लापरवाही का खामियाजा सीधे अन्नदाता को भुगतना पड़ रहा है। सीजन में कई बार तो उठाव में देरी से मंडी बंद करने की नौबत तक बनती है जिसका नुकसान सीधे तौर पर किसानों और शासन को होता है। मंडी प्रशासन को चाहिए की किसानों के हित में ठोस कार्रवाई करते हुए शीघ्र शेड को खाली कराया जावे जिससे किसानों को छाव मे फसल बेचने की सुविधा मिल सके।

इनका कहना है

मंडी में किसानों को होने वाली समस्याओं के लिए प्रशासन को सजगता के साथ सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। जिससे किसानों को परेशानी ना हो, किसानों के हित में सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना चाहिए लेकिन सत्ताधारी जनप्रतिनिधि समस्याओं से बचने का प्रयास करते है।

रोहित पटेल
शहर कांग्रेस अध्यक्ष

खबर संक्षेप

स्वास्थ्य समिति की संपन्न

नरसिंहपुर। श्रीमती रजनी सिंह कलेक्टर सह अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति की अध्यक्षता में कार्यालय कलेक्टर सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें डॉ मनीष कुमार मिश्रा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, डी आर के चैधरी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, जिला स्वास्थ्य अधिकारी-1. जिला स्वास्थ्य अधिकारी-3, एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा गर्भवती महिलाओं के पंजीयन की समीक्षा में जहाँ पंजीयन कम है वहाँ पर आशा एवं ए.एन.एम. से सर्वे कराकर गर्भवती माता पंजीयन शत प्रतिशत एवं बी.एम.ओ., ए.एन.एम. तथा आशा के एक-साथ बैठक प्रतिमाह करने हेतु निर्देश दिये गये। चार पंजीयन गर्भवती चेकअप शहरी नरसिंहपुर एवं ब्लाक चांवरपाठा जिले में कम पाया गया शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिये गये। सभी बी.पी.एम. की प्रति बुधवार सायं 04 बजे ए.एन.सी. पंजीयन कितना हुआ, कितना का होना है. कितनो का शेष है गूगल लिंक में जिला में जानकारी जिला कार्यालय में भेजने के निर्देश दिये गये। माडरेट एनीमिया एवं पी.आई.एच. बाबई चीचली तथा शहरी नरसिंहपुर का सबसे कम पाया गया शत प्रतिशत करने के निर्देश दिये गये। जिन कर्मचारियों की कार्य की उपलब्धि कम है उनको सप्ताह में दो बार ब्लॉक स्तर पर बुलाकर समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिये गये।

शिक्षक संघ की वर्चुअल बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा आयोजित ऑनलाइन गूगल मीट में सभी जिलों के साथ वर्चुअल बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर के नेतृत्व में विशेष रूप से नई शिक्षा नीति के अंतर्गत त्रिभाषा विषय को लेकर विभिन्न स्तरों पर बनाए जा रहे भ्रामक नैरेटिव पर गंभीर होकर काम करने का निर्णय किया है। प्रांताध्यक्ष डॉ. क्षत्रवीर सिंह राठौर ने कहा कि सीबीएसई विद्यालयों में त्रिभाषा विषय को लेकर गलत धारणाएं एवं नकारात्मक वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसका जवाब संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को सकारात्मक एवं तथ्यात्मक नैरेटिव के माध्यम से देना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में संगठन के कार्यकर्ता सीबीएसई विद्यालयों तक पहुंचकर शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं पालकों से संपर्क स्थापित करें तथा नई शिक्षा नीति में त्रिभाषा व्यवस्था के महत्व एवं उपयोगिता को विस्तार से समझाएं। निर्णय लिया गया है कि त्रिभाषा विषय के संबंध में जन जागरण अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत सोशल मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर (एक्स) एवं इंस्टाग्राम पर अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। साथ ही संपादकीय लेख, समाचार एवं जनहित सामग्री प्रकाशित कराने पर भी विशेष जोर दिया गया। जिला अध्यक्ष सत्य प्रकाश त्यागी ने बैठक उपरांत विस्तार से बताया कि छोटे-छोटे वीडियो बनाकर आमजन तक नई शिक्षा नीति एवं त्रिभाषा के सकारात्मक पहलुओं को पहुंचाया जाए, ताकि समाज में भ्रम की स्थिति समाप्त हो सके और जनता का विश्वास मजबूत हो। बैठक में सभी जिला एवं संभागीय पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाने का संकल्प लिया। प्रांतीय महामंत्री राकेश गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार नरसिंहपुर जिले में वरिष्ठ पदाधिकारियों डा सीएल कोष्ठी और पीए खान,संभागीय सह सचिव केएन दुबे, अशेष बुधौलिया,विनोद साहू,होतीलाल शर्मा ,गुलाब साहू सतीश शर्मा,अखिलेश्वर कौरव गणेश बादल इत्यादि पदाधिकारियों ने त्रिभाषा फार्मूला को छात्रों और शिक्षा के हित में बढ़ावा देने की प्रयास करने वाली बातें कही हैं।

नहीं रहे ठाकुर साहब

तेंदूखेड़ा नगर के प्रतिष्ठित ठाकुर परिवार सागौनी के पर्वत सिंह लोधी ठाकुर साहब का असमय दुखद निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर अंतिम विदाई दी गई। ठाकुर साहब ओमप्रकाश विट्टू के पूज्य पिता थे।

जिला भाजपा की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की एनडीए सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ निरंतर राष्ट्र हित में कार्य किया जा रहा है जिसमें विश्वास विकास और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनता के बीच सेवा और सुशासन के कार्यों का विस्तृत विवरण पहुचाया जाएगा इसका साथ ही विभिन्न आयोजन किये जाएंगे इसको लेकर जिला भाजपा कार्यालय नरसिंहपुर में जिले की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक की अध्यक्षता में एवं जिला प्रभारी शरद जैन, पूर्व विधायक नरेश पाठक, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य मिनेन्द्र डागा, जिला महामंत्री सुरेंद्र मोहन नेमा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या कोठारी की विशेष उपस्थिति में किया गया। उक्त बैठक की जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि बैठक का संचालन जिला मंत्री रजत चौहान एवं आभार जिला उपाध्यक्ष मुकेश मरैया ने किया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष एवं मंडल महामंत्री, मोर्चा जिलाध्यक्ष एवं अपेक्षित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

परीक्षा हेतु गोपनीय सामग्री का वितरण संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

शैक्षणिक सत्र 2026 के अंतर्गत कक्षा 9वीं एवं 11वीं की द्वितीय परीक्षा का आयोजन निर्धारित समय-सारणी के अनुसार 03 जून 2026 से किया जाएगा। कक्षा 9वीं की परीक्षा प्रतिदिन प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा कक्षा 11वीं की परीक्षा प्रातः 09 बजे से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 01:30 बजे से शाम 04:30 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा के लिए विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र ईएमएस पोर्टल पर उपलब्ध कराए जा चुके हैं तथा संबंधित विद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों को वितरित किए गए हैं। द्वितीय परीक्षा 2026 हेतु नरसिंहपुर जिले में प्रश्न्न पत्रों के सुरक्षित रखने हेतु कुल 10 अभिरक्षा केंद्र निर्धारित किये गये है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने परीक्षा संचालन में संस्था प्राचार्य, परीक्षा केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष को परीक्षा की गोपनीयता, निष्पक्षता एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने साथ ही लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा जारी परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन संबंधी सभी नियमों एवं निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन आज से

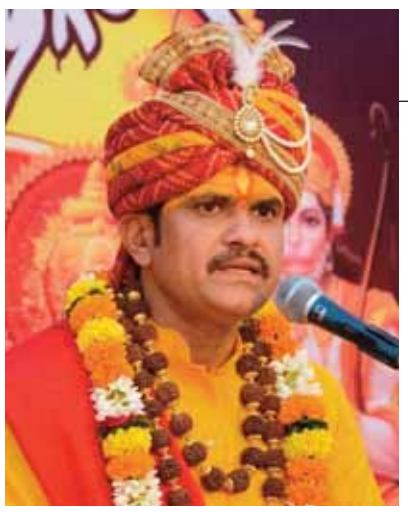

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

पुरुषोत्तम मास के पावन उपलक्ष्य में, विश्व शांति एवं जन-कल्याण की मंगल भावना के साथ नगर के समस्त मातृशक्ति संगठन के संयुक्त तत्वावधान में भव्य स्थानीय तुलसी मानस भवन सदर मढिया प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन 31 मई से 6 जून तक किया जा रहा है। उक्त सात दिवसीय कथा कथा वाचक श्रद्धेय पंडित संतोष रामशंकर जी महाराज अपने मुखारविंद से प्रतिदिन शाम 4 बजे से 7 बजे तक भगवान की लीलाओं का वर्णन किया जावेगा। कलश यात्रा बरिया वाले हनुमान मंदिर से निकलने वाली भव्य एवं दिव्य मंगल कलश यात्रा के साथ होगा।

गोटेगांव में पैतृक जमीन विवाद ने पकड़ा तूल, परिवार के एक पक्ष ने प्रेस वार्ता कर लगाए गंभीर आरोप

गोटेगांव।

नगर में अग्रवाल परिवार की पैतृक संपत्ति को लेकर चल रहा विवाद लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है। मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन रहा, जिसके बाद न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत पैतृक भूमि का बंटवारा हो गया। बंटवारे के पश्चात परिवार के एक पक्ष द्वारा अपने हिस्से की भूमि का विधिवत विक्रय कर दिया गया। हालांकि इसके बाद विवाद और गहराता गया तथा दोनों पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।इसी क्रम में गोटेगांव में आयोजित एक प्रेसवार्ता में सुरेशचंद्र अग्रवाल एवं उनके पुत्र सर्विस अग्रवाल ने अपनी बात रखते हुए कहा कि पैतृक भूमि का न्यायालयीन आदेश के अनुसार बंटवारा हो चुका है और उन्हें प्राप्त हिस्से की भूमि का विक्रय शासकीय नियमों एवं कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए किया गया है। उन्होंने दावा किया कि भूमि विक्रय के विरुद्ध परिवार के दूसरे पक्ष द्वारा सिविल कोर्ट में मामला दायर किया गया था, जिसे न्यायालय ने खारिज कर दिया। इसके बाद उच्च न्यायालय में भी अपील की गई, जहां से भी राहत नहीं मिली।मंत्री एवं पूर्व मंत्री को विवाद में घसीटने का आरोपप्रेसवार्ता के दौरान सर्विस अग्रवाल ने आरोप लगाया कि जानकीशरण अग्रवाल लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से जमीन विवाद को उछाल रहे हैं तथा हाल ही में भोपाल में आयोजित प्रेसवार्ता में कैबिनेट मंत्रि प्रहलाद सिंह पटेल एवं पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल पर भू-माफियाओं को संरक्षण देने जैसे आरोप लगाए गए। उन्होंने कहा कि इन जनप्रतिनिधियों का विवादित भूमि से कोई संबंध नहीं है और उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है।सर्विस अग्रवाल ने आरोप लगाया कि राजनीतिक लोगों के साथ मिलकर जनप्रतिनिधियों का नाम विवाद में जोड़कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है तथा जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से षड्यंत्र रचा जा रहा है।मारपीट और जान से मारने की कोशिश के आरोपप्रेसवार्ता में सुरेश अग्रवाल ने यह भी आरोप लगाया कि जानकीशरण अग्रवाल और उनके सहयोगियों द्वारा कई बार उनके परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट की गई तथा जान से मारने की कोशिश भी की गई। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं की शिकायत गोटेगांव थाना और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की जा चुकी है।उन्होंने कहा कि लगातार मिल रही धमकियों और विवाद के कारण परिवार भय के माहौल में जीवन यापन कर रहा है। परिवार के सदस्यों को मानसिक और सामाजिक रूप से परेशान किया जा रहा है।पुराने विवादों का भी किया उल्लेखसुरेश अग्रवाल ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि जानकीशरण अग्रवाल का व्यवहार लंबे समय से विवादित रहा है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में उनके परिवार की दुकान में आग लगाने तथा चोरी जैसी घटनाओं में भी उनका नाम सामने आया था। साथ ही परिवार के वरिष्ठ सदस्यों के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किए जाने के भी आरोप लगाए गए।सोशल मीडिया के दुरुपयोग का आरोपप्रेसवार्ता में अग्रवाल परिवार के इस पक्ष ने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से लगातार लोगों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की छवि धूमिल करने का प्रयास किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में धार्मिक संतों और प्रतिष्ठित व्यक्तियों के खिलाफ भी सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थीं।प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांगसुरेशचंद्र अग्रवाल एवं सर्विस अग्रवाल ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि न्यायालय के आदेशों का सम्मान किया जाना चाहिए और बेबुनियाद आरोपों के माध्यम से समाज एवं जनप्रतिनिधियों को बदनाम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगनी चाहिए।

गौ माता का संरक्षण करने की जरूरत, कथा के दौरान कथा व्यास ने कहा

तेंदूखेड़ा

जिस गौ माता के हम जयकारे लगाते हैं। जिसमें स्वयं देवताओं का वास है। जिसके गोबर और मूत्र से जगह पवित्र हुआ करती है

आज वही गौ माता मारी मारी निरीह अवस्था में जहां मुख्य सड़क मार्गों पर घायल जख्मी पीड़ित हालत में पड़ी हुई देखी जा रही है। प्रतिदिन वाहनों की अंधी रफ्तार में हम उसे कालकल्वित कर दोडते चले जा रहे है। जितना अधिक हम गौ माता को परेशान या पीड़ित अवस्था में छोड़ेंगे उसके जितने भी आंसू गिरेंगे उससे हम भी परेशान होंगे।उसकी करुण आह से हम भी सुखी नहीं रह पायेंगे इसलिए गौ माता की सेवा संरक्षण करना बहुत ही जरुरी है। उक्ताशय के अमृत वचन हरसिद्धि मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दौरान भागवत किंकर उपाधि से अलंकृत पं कृष्णकांत शास्त्री के द्वारा व्यक्त किए गये। इस ज्ञान यज्ञ सप्ताह में कथा व्यास द्वारा जहां भगवान योगेश्वर की लीलाओं का बखान किया जा रहा है। वहीं गौ माता के दूध की ताकत उसकी सेवा और गौ माता की पीठ पर हाथ फेरने से हार्ट जैसी बीमारियों से छुटकारा मिलने पूंछ से बच्चों की नजर उतारनें जैसे विंदुओं पर भी प्रकाश डाला जा रहा है। कथा श्रवण करने दूर दूर से श्रद्धालु श्रोता पहुंच रहें हैं। विगत दिवस रुकमणी विवाह को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महिलाओं द्वारा पैर पूजन किया बधाई गीत गाकर बधाई नृत्य किये।इस चिलचिलाती धूप में भी श्रोता बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
एजेंसी देना है
नरसिंहपुर जिले के अंतर्गत करकबेल, बोहानी, चीचली, बरमान में हरिभूमि अखबार की एजेंसी देना है इच्छुक व्यक्ति सुरक्षा निधि के साथ संपर्क करें।
हरिभूमि कार्यालय
प्लाट नं. 66/1 इंडस्ट्रियल एरिया,रिछाई जबलपुर (म.प्र)
मोबाइल नंबर
9340637789
9479623424